PVG's

Muktangan English School & Jr. College, Pune - 9

Terminal Examination (2024 - 2025)

Standard - IX

Subject - Hindi (Entire) | **Marks - 80**

Date - 17.10.2024 | **Time - 8.00 am to 11.00 am**

सूचना :– शुद्ध भाषा एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है ।

सूचनाएँ :–

१) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है ।

२) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें ।

३) उपयोजित लेखन (रचना विभाग) तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं हैं ।

४) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है ।

विभाग १ – गद्य (२० अंक)

प्रश्न १ अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

हाँ, तो पहले सुनो वह कहानी कि मैं कैसे आया । अमरीका में हुए मेरे सम्मान और मेरे ज्ञान के बारे में इस ग्रह के लोगों ने गुप्त रीति से सूचनाएँ इकट्ठा की थीं । ये तभी से मेरा अपहरण करने की योजना बना रहे थे । उस रात को जब मैं बाहर आया तब एक आदमी ने मुझे बाहर खड़ी सवारी पर चलने का इशारा किया । मैं अपने सहज भाव से आगे बढ़ा लेकिन उस विचित्र यान को देखकर चौंक पड़ा । इसके पहले कि मैं कोई विरोध करता या भागने की कोशिश करता, तीन लोगों की मजबूत बाँहों ने मुझे जकड़कर यान के अंदर डाल दिया । यान तेजी से घूमकर सूँ -सूँ की आवाज करता हुआ आसमान नें उड़ गया । घबराहट के कारण मैं बेहोश हो गया था और जब मुझे होश आया तो वह यान इस ग्रह पर पहुँच चुका था । मुझे एक विशेष किस्म का प्लास्टिक सूट पहनाया गया ताकि मैं ग्रह के वातावरण के अनुकुल रह सकूँ । अब चूँकि मुझे यहाँ आए हुए काफी समय हो गया है, मैं यहाँ से भागने की कोशिश भी नहीं कर सकता इसलिए मुझे आप सब लोगों के लिए यह संदेश रिकार्ड करके भेजने की अनुमति दी गई है ।

* इस ग्रह का नाम बड़ा विचित्र - सा है । यहाँ के लोग विज्ञान में बहुत आगे बढ़ गए हैं। इनके पास ऐसे यान हैं कि ये एक सौरमंडल से दूसरे तक आसानी से आते - जाते हैं । यहाँ भी लोगों ने रहने के लिए घर बना रखे हैं, कारखाने हैं, बाजार हैं, बस्तियाँ है, मोटरें है - सभी कुछ है लेकिन हमसे बिलकुल भिन्न । इनके अपने वैज्ञानिक सिद्धांत है । इन्हें कई सौरमंडलों और उनके ग्रहों के बारे में जानकारी है । हमारा सौरमंडल इनके सबसे निकट है । इसीलिए इन्होंने आसानी से मेरा अपहरण कर लिया ।*

१) आकृति पूर्ण कीजिए । (२)

i)

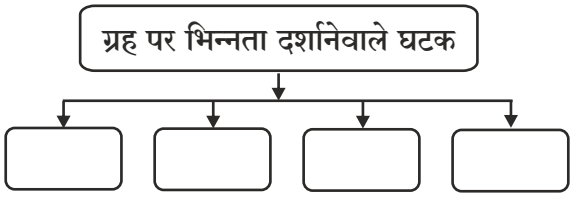

२) अ) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए । (१)

i) सम्मान = ii) इशारा =

आ) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए । (१)

i) अंदर = ☐ ii) ज्ञान = ☐

इ) गद्यांश में आए दो शब्द युग्म की जोडी ढूँढकर लिखिए । (१)

I) ☐ ii) ☐

ई) गद्यांश में आए दो प्रत्ययुक्त शब्द ढूँढकर लिखिए । (१)

I) ☐ ii) ☐

३) स्वमत = (२)

'स्वास्थ्य की समस्या सभी जगह पाई जाती है' इस विषय पर अपने विचार ६ - ८ पंक्तियों में लिखिए ।

प्रश्न १ आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

गाड़ी अपनी गति से बढ़ रही थी । भटिंडा, हनुमानगढ़, लालगढ़ और बीकानेर होते हुए नागौर पहुँची । यहाँ से मेड़ता पहुँचे तो लगा, फिर से पंजाब के आसपास आ गए हैं, क्योंकि कुछ खेत, हरियाली और पशुधन भी दृष्टिगोचर होने लगे थे । सायंकाल होते - होते अपना गंतव्य स्टेशन 'जोधपुर' आ गया । आज का हमारा पड़ाव 'जोधपुर' था, यों भी सायंकाल हो चुका था । स्टेशन के समीप होटल में कमरा मिल गया । सामान वहाँ रखकर थोड़ा तरोताजा हुए ।

२२ दिसंबर अल्पाहार कर एक ऑटो रिक्शा लेकर अपनी पहली मंजिल 'उम्मेद भवन' कि ओर चल पड़े जो 'राई का बाग' क्षेत्र में स्थित है । 'उम्मेद भवन' विश्व का विशालतम भवन । महाराजा उम्मेद सिंह द्वारा निर्मित होने से उम्मेद भवन कहलाता है । छीतर झील के पास होने से इसे 'छीतर भवन' भी कहते हैं । इसके निर्माण में बीस वर्ष का समय लगा । यह भवन अपनी भव्य एवं उत्कृष्ट सज्जा से सज्जित है । इसमें ऐश्वर्य, विलास और आमोद - प्रमोद के सभी साधन उपलब्ध हैं ।

महल के प्रवेश द्वार पर नियुक्त द्वारपाल ने बताया कि महल के तीन सौ तैंतालीस कमरों को 'होटल' के रूप में परिवर्तित कर दिया गया है । एक भाग में शाही परिवार रहता है । होटल में प्रवेश और वहाँ बैठकर चाय या कॉफी का एक कप, एक व्यक्ति (पर्यटक) के लिए कम - से - कम एक हजार रुपया खर्च, कोई आश्चर्यवाली बात नहीं । भूतल पर एक म्यूजियम बनाया गया है, जिसमें वहाँ के राजाओं की, उनके क्रिया कलापों की, युद्ध - कौशल की अनेकानेक जानकारियाँ चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत की गई हैं। 'भवन' का मॉडल भी प्रदर्शित किया गया है । सब कुछ इतना सुंदर, सजीव भव्य और मनोहर था कि दृष्टि किसी भी चित्र पर चिपक - सी जाती थी, जिसे वहाँ से जबरन हटाना पड़ता था, क्योंकि अभी हमें अपने दूसरे गंतव्य की ओर बढ़ना था । गंतव्य था मंडोर गार्डन ।

१) आकृति पूर्ण कीजिए । (२)

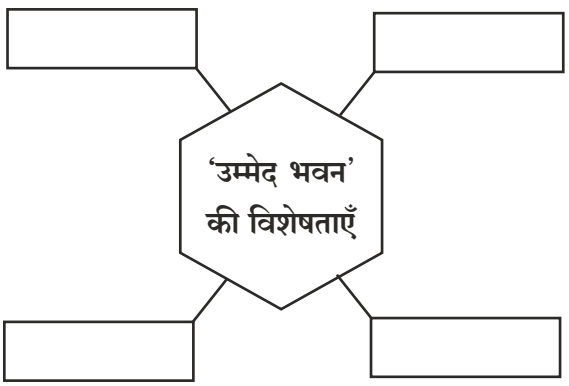

२) अ) निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए । (१)

i) महल = ii) चाय =

२) आ) निम्नलिखित शब्दों के वचन पहचानकर लिखिए । (१)

I) कमरा = ii) जानकारियाँ =

२) इ) निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर एक वाक्य में लिखिए । (२)

i) 'उम्मेद भवन' कौन–से क्षेत्र में स्थित है ?

ii) 'उम्मेद भवन' का दूसरा नाम क्या है ?

३) स्वमत :–
'मेरी यात्रा का अनुभव' इस विषय पर अपने विचार ६ –८ पंक्तियों मे लिखिए । (२)

प्रश्न १ इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

मुंशी प्रेमचंद का जन्म ३१ जुलाई १८८० को वाराणसी जिले के लमही ग्राम में हुआ था । उनका वास्तविक नाम धनपत राय था। उनके पिता का नाम अजायब राय था । उनका बचपन आर्थिक अभावों में बीता । प्रेमचंद जी की प्रारंभिक शिक्षा मौलवियों की देख - रेख में हुई । उन्होंने वाराणसी से हायस्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण की । फिर एक प्राइमरी स्कूल में अध्यापक का कार्य आरंभ किया। बाद में उन्होंने सब डिप्टी इंस्पेक्टर ऑफ़ स्कूल के पद पर काम किया । सन् १९२० में सरकारी नौकरी से त्याग पत्र दे दिया तथा सारा जीवन साहित्य में लगा दिया । प्रेमचंद उर्फ धनपत राय का पहला विवाह सफल न हो सका । उन्होंने शिवरानी नामक बाल विधवा से दूसरा विवाह किया । प्रेमचंद जी ने ३०० के लगभग कहानियाँ लिखीं, जो 'मानसरोवर' के आठ भागों में छपी हैं । 'सेवासदन', 'निर्मला', 'रंगभूमि', 'कर्मभूमि', 'गबन', 'गोदान', 'कायाकल्प', 'मंगलसूत्र' प्रेमचंद जी के प्रसिद्ध उपन्यास हैं । ८ अक्तूबर, १९३६ में ५६ वर्ष की आयु में प्रेमचंद जी का निधन हुआ ।

१) आकृति पूर्ण कीजिए । (२)

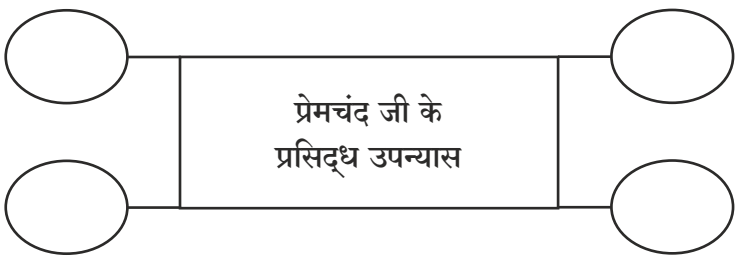

२) स्वमत :-
परिच्छेद के आधार पर 'प्रेमचंद जी का जीवन' इस विषय पर अपने विचार ६ –८ पंक्तियों मे लिखिए । (२)

विभाग –२ पद्य १२ अंक

प्रश्न २ अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

किताबें झाँकती हैं बंद अलमारी के शीशों से,
बड़ी हसरत से तकती हैं ।
महीनों अब मुलाकातें नहीं होतीं,
जो शामें उनकी सोहबत में कटा करती थीं
अब अक्सर .....

गुजर जाती हैं ङ्कंप्यूटर के पर्दों पर '
बड़ी बेचैन रहती हैं किताबें.....
उन्हें अब नींद में चलने की आदत हो गई है
जो कदरें वो सुनाती थी
कि जिनके 'सेल' कभी मरते नहीं थे,
वो कदरें अब नजर आती नहीं घर में,
जो रिश्ते वो सुनाती थीं ।

वह सारे उधड़े - उधड़े हैं,
कोई सफा पलटता तो इक सिसकी निकलती है,
कई लफ्जों के मानी गिर पड़े हैं
बिना पत्तों के सूखे - टुंड लगते हैं वो सब अल्फाज,
जिन पर अब कोई मानी नहीं उगते .....

१) आकृति पूर्ण कीजिए । (२)

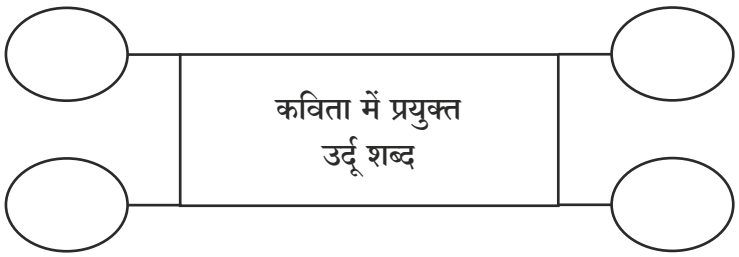

२) क) **निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए ।** (१)

i) शाम = ii) शीशा =

ख) **निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए ।** (१)

i) नींद ii) घर

३) **अभिव्यक्ति =**
किताबें झाँकती हैं .....
.....
अब अक्सर .....

उपर्युक्त पंक्तियों का सरल अर्थ २५ से ३० शब्दों में लिखिए । (६ - ८ पंक्तियों में) (२)

कृति २ आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

निर्माणों के पावन युग में हम चरित्र निर्माण न भूलें ।
स्वार्थ साधना की आँधी में वसुधा का कल्याण न भलें !!

माना अगम अगाध सिंधु है संघर्षों का पार नहीं है,
किंतु डूबना मँझधारों में साहस को स्वीकार नहीं है,
जटिल समस्या सुलझाने को नूतन अनुसंधान न भूलें !!

निर्माणों के पावन युग में हम चरित्र निर्माण न भूलें !
स्वार्थ साधना की आँधी में वसुधा का कल्याण न भूलें !!

शील, विनय, आदर्श, श्रेष्ठता तार बिना झंकार नहीं है,
शिक्षा क्या स्वर साध सकेगी यदि नैतिक आधार नहीं है,
कीर्ति कौमुदी की गरिमा में संस्कृति का सम्मान न भूलें !!

१) आकृति पूर्ण कीजिए । **(२)**

निर्माणों के पावन युग में हम इन्हें न भूले

- १.
- २.
- ३.
- ४.

२) क) निम्नलिखित शब्दों के वचन पहचानकर लिखिए । **(१)**

I) समस्याएँ= ii) आँधी =

ख) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए । **(१)**

I) जटिल X ii) साहस X

३) अभिव्यक्ति =

निर्माणों के पावन युग .....
.....
..... नूतन अनुसंधान न भूले !!

उपर्युक्त पंक्तियों का सरल अर्थ अपने शब्दों में ६ - ८ पंक्तियों में लिखिए । **(२)**

विभाग ३ : पूरक पठन ८ अंक

प्रश्न ३ अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

परंतु वे स्वभाव से फक्कड़ थे । अच्छा हो या बुरा, खरा हो या खोटा, जिससे एक बार चिपट गए उससे जिंदगी भर चिपटे रहो, यह सिद्धांत उन्हें मान्य नहीं था । वे सत्य के जिज्ञासु थे और कोई मोह - ममता उन्हें अपने मार्ग से विचलित नहीं कर सकती थी। वे अपना घर जलाकर हाथ में मुराड़ा लेकर निकल पड़े थे और उसी को साथी बनाने को तैयार थे जो उनके हाथों अपना भी घर जलवा सके -

हम घर जारा अपना, लिया मुराड़ा हाथ ।
अब घर जारों तासु का, जो चलै हमारे साथ ।

वे सिर से पैर तक मस्त - मौला थे । मस्त - जो पुराने कृत्यों का हिसाब नहीं रखता, वर्तमान कर्मों को सर्वस्व नहीं समझता और भविष्य में सब - कुछ झाड़ - फटकार निकल जाता है । जो दुनियादार किए - कराए का लेखा - जोखा दुरुस्त रखता है वह मस्त नहीं हो सकता । जो अतीत का चिट्ठा खोले रहता है वह भविष्य का क्रांतदर्शी नहीं बन सकता । जो मतवाला है वह दुनिया के माप - जोख से अपनी सफलता का हिसाब नहीं करता । कबीर जैसे फक्कड़ को दुनिया की होशियारी से क्या वास्ता ? ये प्रेम के मतवाले थे मगर अपने को उन दीवानों में नहीं गिनते थे जो माशूक के लिए सर पर कफन बाँधे फिरते हैं । .....

१) संजाल पूर्ण कीजिए । (२)

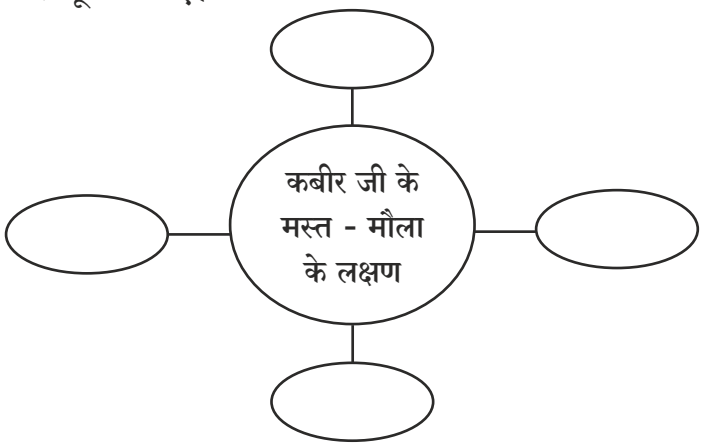

२) स्वमत :- (२)
उपर्युक्त परिच्छेद पढ़कर प्राप्त होने वाली प्रेरणा अपने शब्दों में ६ –८ पंक्तियों मे लिखिए ।

प्रश्न ३ आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

रात का चौकीदार

'हाँ साब जी, चौकसी रखना तो मेरी जिम्मेदारी है । मैं केवल पैसे के लिए ही काम नहीं करता । फिर उनकी चौकसी रखना तो और जरूरी हो जाता है । भगवान नहीं करे, यदि उनके घर चोरी - वोरी की घटना हो जाए तो पुलिस तो फिर भी हमसे पूछेगी न । और वे भी हम पर झूठा आरोप लगा सकते हैं कि पैसे नहीं देते इसलिए चौकीदार ने ही चोरी करवा दी । ऐसा पहले मेरे साथ हो चुका है साब जी ।'

'अच्छा ये बताओ, रात में अकेले घूमते तुम्हें डर नहीं लगता ?'

'डर क्यों नहीं लगता साब जी, दुनिया में जितने जिंदा जीव हैं, सबको किसी न किसी से डर लगता है । बड़े आदमी को डर लगता है तो फिर हम तो बहुत छोटे आदमी हैं । कई बार नशे - पत्तेवाले और गुंडे - बदमाशों से मारपीट भी हो जाती है । शरीफ दिखने वाले लोगों से झिड़कियाँ, दुत्कार और धौंस मिलना तो रोज की बात है ।'

'अच्छा बहादुर, सोते कब हो तुम ?' वह फिर प्रश्न करता है ।

१) संजाल पूर्ण कीजिए। (२)

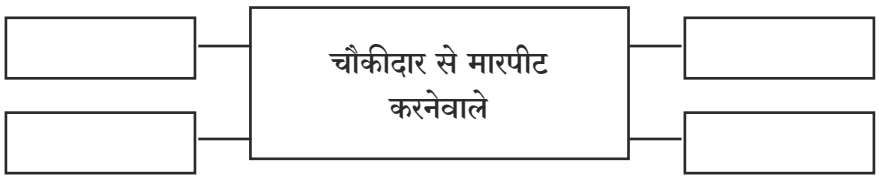

२) स्वमत :- (२)

'लूट - डकैती करनेवालो ने चौकीदार से मारपीट की' इस विषयपर अपने विचार ६ -८ पंक्तियों मे लिखिए।

विभाग ४ : भाषा अध्ययन (व्याकरण) १६ अंक

कृति ३ सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

१) अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद (सव्यय) पहचानकर लिखिए। (१)

I) <u>जूलिया</u> एक अच्छी गवर्नेस थी।

२) निम्नलिखित अव्ययों का अर्थपूर्ण वाक्यों में कीजिए। (२)

i) के सामने

ii) धीरे - धीरे

३) निम्नलिखित वाक्यों को पढ़कर उनमें प्रयुक्त कारकों को पहचानकर उनके भेद लिखिए (२)

i) यह उसकी किताब है।

ii) वह बाजार से घर आया।

	कारक चिह्न	कारक का भेद
i)		
ii)		

४) निम्नलिखित वाक्यों में से सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए। (२)

i) पिताजी शहर से लौट आए।

ii) लोग खा - पीकर चले गए।

	सहायक क्रिया	मूल क्रिया
i)		
ii)		

५) निम्नलिखित क्रियाओं का प्रथम तथा द्‌वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए । (२)

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्‌वितीय प्रेरणार्थक रूप
i) हँसना		
ii) भागना		

६) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने सार्थक वाक्य में प्रयोग कीजिए । (१)

मुहावरा अर्थ वाक्य

i) ठग लेना -

ii) दस्तक देना -

अथवा

अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए कोष्ठक में दिए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए ।

(तसल्ली करना, चैन की साँस लेना)

मैं रोज सुबह कॉलोनी में चक्कर लगाकर समाधान कर लेता हूँ कि सबकुछ ठीक है या नही?

७) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्‌ध करके वाक्य फिरसे लिखिए । (२)

i) अमरू पर भीड़ टूट पड़ा था ।

ii) दिन पर दिन बीतते गए और डॉक्टर भटनागर के बारे में कोई जानकारा न मिला ।

८) निम्नलिखित विरामचिह्नों के नाम लिखिए । (२)

चिह्न नाम

I) ‘ ’ [ ]

ii) ! [ ]

९) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधारपर भेद पहचानकर लिखिए । (१)

i) वह कहानी सुना रहा था ।

१०) निम्नलिखित वाक्य का अर्थ के आधारपर कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए । (१)

i) तुम्हें अपना खयाल रखना चाहिए (आज्ञार्थक वाक्य)

विभाग ५ – रचना विभाग (उपयोजित लेखन) २४ अंक

*** सूचना : आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है ।**

प्रश्न ५ अ) पत्रलेखन :– **(५)**

१) निम्नलिखित जानकारी के आधारपर पत्रलेखन कीजिए ।

विजय / विजया पाटील, १०३, तुलसीबाग, पुणे ४११००२ से अपने परिसर में लावारिस जानवरों की बढ़ती संख्या एवं उनसे होनेवाली परेशानियों के बारे में महानगरपालिका अधिकारी, पुणे को शिकायत पत्र लिखता / लिखती है ।

२) गद्य आकलन – प्रश्न निर्मिती :– **(४)**

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर गद्यांश में एक - एक वाक्य में हो ।

(केवल प्रश्न ही बनाए)

हर स्वतंत्र देश का अपना झंडा होता है । तिरंगा भारत का राष्ट्रीय झंडा है । तिरंगे को लहराता देखकर हमारा हृदय खुशी से नाच उठता है ।

तिरंगे में तीन रंग होते हैं; सबसे ऊपर केसरी, बीच में सफेद और नीचे हरा । बीच के सफेद भाग में अशोक चक्र होता हे । केसरी रंग त्याग और बलिदान का सूचक है । सफेद रंग शांति का संदेश देता है । हरा रंग देश की सुख - समृद्धिका प्रतीक है । अशोक चक्र सब धर्मो के प्रति हमारे समभाव को दर्शाता है ।

राष्ट्रीय त्योहारों के दिन सरकारी इमारतों पर राष्ट्रध्वज फहराया जाता है । १५ अगस्त को दिल्ली में हमारे प्रधानमंत्री लाल किले पर तिरंगा फहराते हैं ।

हमारा राष्ट्रध्वज हमारे गौरव का प्रतीक है । इसे हम कभी झुकने नहीं देंगे । इसके लिए अपना सब कुछ न्यौछावर कर देंगे । इसके लिए अपना सब कुछ न्यौछावर कर देंगे ।

विजयी विश्व तिरंगा प्यारा,
झंडा ऊँचा रहे हमारा ।

श्न ५ आ) वृत्तांत लेखन । **(५)**

१) नीचे दिए गए विषय पर वृत्तांत लेखन ६० से ८० शब्दों में लिखिए ।

अपने विद्यालय में मनाए गए 'स्वतंत्रता दिवस' का वृत्तांत लिखिए ।

अथवा

कहानी लेखन

निम्नलिखित मुद्दों के आधारपर ७० से ८० शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख भी लिखिए ।

एक शिकारी - जंगल में जाल बिछाना - लालच में कबूतरों का झुंड - नीचे उतरना - जाल में फँसना - उड़ने का प्रयास करना - बूढ़े कबूतर की सलाह मानना - सभी का जालसहित उड़ना - सीख - शीर्षक ।

२) **विज्ञापन लेखन।** **(५)**

निम्नलिखित जानकारी के आधारपर ५० से ६० शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए।

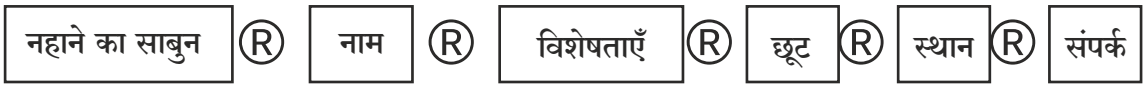

इ) **निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर ८० से १०० शब्दों में निबंध लिखिए।** **(५)**

i) मेरा विद्यालय

ii) हमारी नौकरानी

iii) यदि मैं डॉक्टर होता

❖❖❖